(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है;

(ग) उन्हें किस प्रकार और कब क्रियान्वित किया जाएगा; और

(घ) यदि ऐसी कोई योजनायें नहीं बनाई गई हैं, तो इसके क्या कारण हैं ?

पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मंत्री (डा० कर्ण सिंह) : (क) से (घ). सम्भवतया माननीय सदस्य 1967 में शिमला में हुई बैठक में पर्यटन विकास परिषद् द्वारा कार्यकर्ताओं के लिए युवक होस्टल तथा अवकाश-गृहों की व्यवस्था करने के लिए की गई सिफारिश का हवाला दे रहे हैं। मध्य आय वर्ग के पर्यटकों के लिए सस्ते आवास की व्यवस्था मुख्यतया राज्य सरकारों अथवा निजी क्षेत्र द्वारा की जानी है। सीमित साधनों के कारण केन्द्रीय सरकार इस मामले में ज्यादा कुछ करने में असमर्थ है। परन्तु चौथी योजना की अवधि में युवक होस्टलों के लिए 25 लाख रुपये की राशि की व्यवस्था की गयी है। उनके लिए स्थानों का निर्धारण अभी किया जाना है तथा यह उन्हें दी जाने वाली पारस्परिक अग्रताओं पर निर्भर करेगा।

पूर्व-हड़प्पा काल की खोज

7655. **श्री गं० च० दीक्षित** : क्या **शिक्षा तथा युवक सेवा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान डा० संकालिया द्वारा की गई खोजों (12 जनवरी के "धर्मयुग" में प्रकाशित) की ओर दिलाया गया है और क्या यह सच है कि इन खोजों के दौरान पूर्व-हड़प्पा काल की वस्तुएं मिली हैं ;

(ख) यदि हां, तो किस प्रकार की वस्तुए पाई गई थीं ; और

(ग) उनसे इतिहास पर क्या प्रकाश पड़ता है ?

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय में उप मंत्री (श्रीमती जहानआरा जयपाल सिंह) : (क) जी हां।

(ख) पाई गई वस्तुओं में, पूर्वकालीन, मध्यकालीन और बाद के पाषाण युग के औजार तथा पशुओं के कुछ जीवाश्व पाए गए हैं।

(ग) वस्तुएं, पूर्व-ऐतिहासिक (पाषाण युग) काल की हैं और भारत की बाद की संस्कृतियों पर निम्नलिखित रोशनी डालती हैं :

(i) भारत के अन्य क्षेत्रों की तरह, नर्बदा घाटी में पूर्वकालीन पाषाण युग से ही मनुष्यों का निवास था।

(ii) इस क्षेत्र में मध्यकालीन पाषाण युग के विद्यमान होने के, जिसमें अर्ध-बहुमूल्य पत्थरों के औजार बनाए जाते थे, चिन्ह भी पाए गए हैं।

(iii) लघुपाषाणिकों सहित बाद का पाषाण युग सम्भवतः भारत के मध्य पाषाण-युग का तार्किक विकास है।

पृथक विदर्भ राज्य की मांग

7656. **श्री गं० च० दीक्षित**: क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को महाराष्ट्र के पुराने विदर्भ प्रदेश के जिलों के लोगों से एक पृथक् राज्य की स्थापना की मांग के बारे में एक ज्ञापन प्राप्त हुआ है;

(ख) क्या उसमें यह भी मांग की गई है कि वर्तमान मध्य प्रदेश की बरहानपुर तहसील, मुलताई तहसील और सौनसार तहसील को उक्त पृथक् राज्य में मिलाया जाये;

(ग) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(घ) यदि उनकी उक्त मांगें उचित नहीं समझी गई हैं, तो क्या उन क्षेत्रों के विकास के के लिए पृथक् रूप में कोई राशि नियत करने का सरकार का विचार है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल): (क) जी नहीं, श्रीमान्।

(ख) से (घ). प्रश्न नही उठता।.

New system to check indiscipline among students in B.H.U.

7657. DR. KARNI SINGH : Will the